

## भारत की तेल नरिभरता

### प्रलिमिंस के लयि:

तेल नरिभरता, यूरोपीय संघ, तेल और प्राकृतिक गैस नगिम, CoP26 प्रतबिद्धताएँ, नवीकरणीय ऊर्जा

### मेन्स के लयि:

भारत की तेल पर नरिभरता और उससे संबंधित कदम

## चर्चा में क्यों?

रूस लगातार दूसरे महीने नवंबर 2022 में पारंपरिक वकिरेताओं **इराक और सऊदी अरब को पीछे छोड़कर भारत के लयि शीर्ष तेल आपूर्तकिर्रता बना हुआ है।**

- रूस के पास अब भारत के कुल कच्चे तेल के आयात की 22% हसिसेदारी है, जो इराक के 20.5% और सऊदी अरब के 16% की तुलना में अधिक है।
- 5 दसिंबर से रूस के समुद्री तेल के आयात पर **यूरोपीय संघ** के प्रतबिंध ने रूस को लगभग 1 मिलियन बैरल प्रतदिनि के लयि मुख्य रूप से एशिया में वैकल्पिक बाजारों की तलाश करने के लयि प्रेरित किया है।

## भारत के तेल आयात/खपत का वर्तमान परदृश्य:

- अमेरिका और चीन के बाद **भारत लगभग 5 मिलियन बैरल प्रतदिनि के साथ दुनयि का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता** है। देश में तेल की मांग सालाना 3-4 फीसदी की दर से बढ़ रही है।
  - इस अनुमान के आधार पर एक दशक में भारत प्रतदिनि लगभग 7 मिलियन बैरल की खपत कर सकता है।
- पेट्रोलियम प्लानिंग एंड एनालसिस सेल (PPAC) के अनुसार, **भारत ने वर्ष 2021-22 में 212.2 मिलियन टन कच्चे तेल का आयात किया**, जो पछिले वर्ष में 196.5 मिलियन टन था।
  - अप्रैल 2022-23 में तेल आयात नरिभरता लगभग 86.4% थी, जो एक वर्ष पूर्व इसी अवधि में 85.9% रही थी।
- यह तर्क दिया गया है कि **बढ़ती मांग के कारण तेल की खपत में वृद्धि हुई है**, जसिने उत्पादन बढ़ाने के प्रयासों को हाशयि पर डाल दिया है।
  - कच्चे तेल का उच्च आयात बलि वयापक आर्थिक मापदंडों (Macroeconomic Parameters) को प्रभावित कर सकता है।

## कच्चे तेल के आयात को कम करने के लयि की गई पहल:

- मार्च 2015 में भारत के प्रधानमंत्री ने **'ऊर्जा संगम 2015'** क अनावरण किया जो भारत की ऊर्जा सुरक्षा को आकार देने के उद्देश्य से आयोजित भारत की सबसे बड़ी वैश्विक हाइड्रोकार्बन बैठक थी।
  - इस अवसर पर सभी हतिधारकों से आग्रह किया गया कि वे तेल एवं गैस के घरेलू उत्पादन में वृद्धि करें ताकि वर्ष 2022 तक आयात नरिभरता को 77 प्रतशित से घटाकर 67 प्रतशित और वर्ष 2030 तक 50 प्रतशित तक सीमित किया जा सके।
- सरकार ने प्रोडक्शन शेयरिंग कॉन्ट्रैक्ट (PSC) व्यवस्था, डसिक्वर्ड स्मॉल फील्ड पॉलिसी, **हाइड्रोकार्बन एक्सप्लोरेशन एंड लाइसेंसिंग पॉलिसी (HELP)**, **न्यू एक्सप्लोरेशन लाइसेंसिंग पॉलिसी (NELP)** आदि के तहत तेल और प्राकृतिक गैस के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने के लयि वभिन्न नीतयि भी पेश की हैं।
  - हालांकि घरेलू तेल उत्पादन के साथ सबसे बड़ी समस्या यह है कि तेल और गैस परयोजनाओं में अन्वेषण से लेकर उत्पादन तक **कलंबी प्रकरयिात्मक अवधि होती है**।
  - इसके अलावा **मूल्य नरिधारण और कर नीतयिाँ स्थिर नहीं हैं**, साथ ही तेल तथा गैस वयवसाय में बड़ी पूंजी की आवश्यकता होती है। **नविशक अकसर जोखमि लेने के प्रतसावधान रहते हैं**।
- भारत सरकार कच्चे तेल के आयात पर देश की नरिभरता को कम करने, कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने और कसिानों की आय बढ़ाने के उद्देश्य से **इथेनॉल सममशिरण कार्यक्रम (EBP)** को बढ़ावा दे रही है।
  - सरकार ने पेट्रोल में 20% इथेनॉल सममशिरण (जसि E20 भी कहा जाता है) के लक्ष्य को वर्ष 2030 से पहले ही वर्ष 2025 तक पूरा कर

लेने का नश्चय किया है।

## भारत की तेल आयात नरिभरता को कम करने हेतु आवश्यक कदम:

- **घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहन:** 10% सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि की ओर बढ़ते हुए हमें यह ध्यान रखना चाहिये कि भारत में तेल की मांग केवल बढ़ने वाली है और यह भी कि आने वाले कई वर्षों तक भारत एक तेल अर्थव्यवस्था बना रहेगा।
  - तेल संबंधी आयात पर भारत की नरिभरता को कम करने का एकमात्र तरीका **वदिशों में भारत के स्वामित्व वाली अन्वेषण एवं उत्पादन संपत्तियों को और वकिसति करना है।** चीन ने भी यही तरीका अपनाया है।
  - सार्वजनिक क्षेत्र की दगिगज तेल कंपनी **ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉरपोरेशन (ONGC)** भी मौजूदा परपिक्व तेल-क्षेत्रों के पुनरवकिस और नए/सीमांत क्षेत्रों के वकिस के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने के लयि वभिनिन कदम उठा रही है।
- **वैकल्पिक हरति स्रोत:** भारत के लयि एक अनन्य विकल्प यह है कि अपने दायरे का वसितार करे और **हरति ऊरजा** पर ध्यान केंद्रति करे। अर्थव्यवस्था के गतिपकड़ने के साथ ही बजिली की मांग में तेज़ी आ रही है। **CoP26 परतबिद्धताओं** के साथ **नवीकरणीय ऊरजा** की मांग अब तक के उच्चतम स्तर पर है, जसिके लयि पर्याप्त क्षमता वृद्धि की आवश्यकता है।
  - नयामक समर्थन के साथ ही नजिी नविश और सरकारी पहलों के कारण पवन क्षेत्र ने गतिपकड़ ली है।
  - हालाँकि सौर सेल एवं मॉड्यूल की वैश्विक आपूर्ति और अनुकूल नीतियों के समर्थन से सौर ऊरजा, पवन ऊरजा की तुलना में अधिक परतसिपरद्धी बनकर उभरी है।

## UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न: कभी-कभी समाचारों में पाया जाने वाला शब्द 'वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट' नमिनलखिति में से कसि संदर्भति करता है: (2020)

- (a) कच्चा तेल
- (b) बहुमूल्य धातु
- (c) दुर्लभ मृदा तत्त्व
- (d) यूरेनियम

उत्तर: (a)

[स्रोत: द हिंदू](#)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/india-s-oil-dependence>